छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितंबर-अक्टूबर 2017 ▪ वर्ष-13

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितंबर-अक्टूबर 2017

संरक्षक

श्री शिवराज सिंह
अध्यक्ष

श्री सुबोध सिंह
प्रबंध निदेशक
(ट्रेडिंग कंपनी)

श्री अंकित आनंद
प्रबंध निदेशक
(वितरण कंपनी)

श्रीमती तृप्ति सिन्हा
प्रबंध निदेशक
(पारेषण कंपनी)

श्री ओ.सी. कपिला
प्र. प्रबंध निदेशक
(जनरेशन कंपनी)

देवाशीष नंदी
महाप्रबंधक
(मा.सं.)

संपादक : संकल्प
विजय मिश्रा
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं.मर्या.
डंगनिया, रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

सहयोग
जाबिर मोहम्मद कुरैशी

छायाकार
संजय टेम्बे

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	अक्टूबर 2017
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3286 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3424.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	2064.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	96 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	11534 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1028 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	19303 सर्किट कि.मी.
11/04 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	141444 नग
11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	99738 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	172898 कि.मी.
कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)	---	19567
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17108	19357
विद्युतीकरण का प्रतिशत	87.43	98.80
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	30277
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	73369	394319
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या	630389	1536827

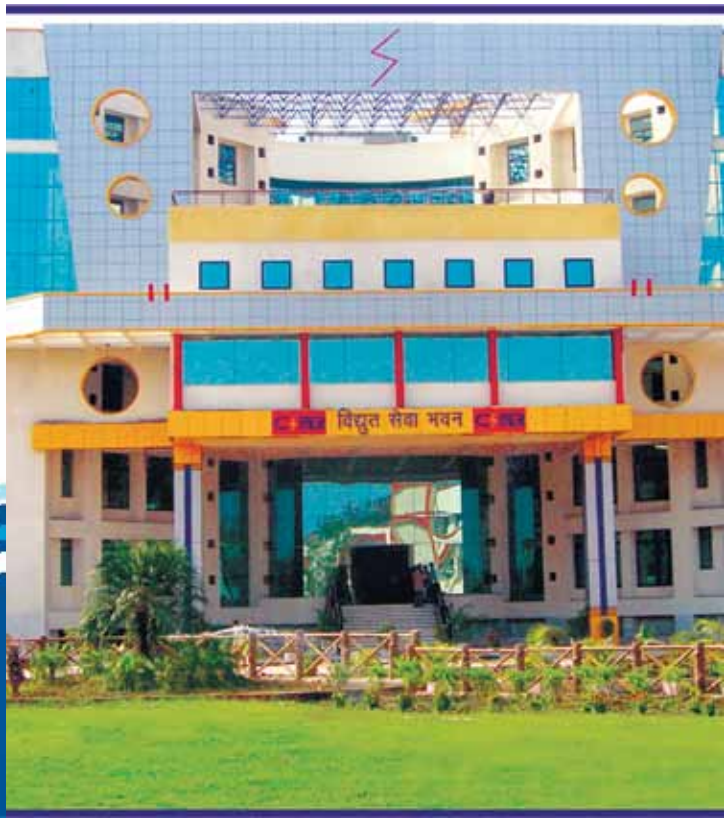

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना 'सौभाग्य' प्रारंभ

गरीबी रेखा के सभी घरों को मिलेगा निःशुल्क विद्युत कनेक्शन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के मुख्यालय में प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना के शुभारम्भ का सीधा प्रसारण 25 सितम्बर 17 को देखा गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भाषण सुना। पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने कहा कि देशभर में लागू होने वाली इस योजना से छत्तीसगढ़ को काफी लाभ होगा। छत्तीसगढ़ में साढ़े चार लाख घरों में बिजली नहीं पहुंची सकी है। सौभाग्य योजना से इन सभी घरों तक बिजली कनेक्शन पहुंचाया जा सकेगा। इस योजना पर शीघ्र ही अमल किया जायेगा और गांव-गांव में कैम्प लगाकर हर घर में बिजली कनेक्शन देने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी।

सौभाग्य योजना के शुभारम्भ के अवसर पर केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय उर्जा राज्य मंत्री श्री आर.के.सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। पॉवर कंपनी के मुख्यालय में सौभाग्य योजना के शुभारम्भ के सीधे प्रसारण की व्यवस्था ग्रामीण विद्युत निगम ने की थी। कार्यक्रम में पॉवर कंपनी के डायरेक्टर सर्वश्री एच.आर.नरवरे, जी.सी.मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक सर्वश्री प्रहलाद सिंह, के.एस.मनोठिया, शरद श्रीवास्तव, जी.एम. श्री देवाशीष नंदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

''सौभाग्य'' योजना से राज्य के लगभग 4.65 लाख घर परंपरागत स्त्रोत से और लगभग 41,000 घर गैर परंपरागत स्त्रोत से विद्युतीकृत होकर लाभांवित होंगे। योजना के क्रियान्वयन से दूरदराज क्षेत्रों के ऐसे हितग्राही जो अब तक पैसे के अभाव में सर्विस लाइन नहीं लगवाने के कारण बिजली का उपयोग नहीं कर पा रहे थे, उन्हें इस योजना से प्रत्यक्ष लाभ होगा।

माननीय प्रधानमंत्री ने 19 सितम्बर 17 को "प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना ''सौभाग्य" को पूरे देश में लागू करने की घोषणा की थी। इस योजना के अंतर्गत देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सभी घरों तक मार्च 2019 तक बिजली पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले सभी घरों को निशुल्क विद्युत कनेक्शन देने एवं गरीबी रेखा के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के अन्य घरों को रू. 500/- (50 रू. की 10 माह की आसान किस्तों और बिजली बिल के साथ) भुगतान करने पर कनेक्शन दिया जाना है। प्रदेश के ऐसे पहुंचविहीन ग्रामों, मजराटोलों/बसाहटों जहां बिजली की लाइन ले जाना दुष्कर है, वहाँ निर्मित घरों तक इस योजना के अन्तर्गत सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली पहुंचाने का भी लक्ष्य है। योजना के क्रियान्वयन के लिये केन्द्र शासन ने 16,320 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा है।

योजना के अंतर्गत स्वीकृत डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट का 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार, 10 प्रतिशत राज्य सरकार एवं शेष 30 प्रतिशत अंश वितरण कंपनियों द्वारा वहन किया जाना है। योजना के क्रियान्वयन का लक्ष्य मार्च 2019 निर्धारित है, किन्तु योजना में शामिल समस्त घरों के विद्युतीकरण का कार्य दिसम्बर 2018 में पूर्ण होने पर भारत सरकार स्वीकृत योजना की 15 प्रतिशत राशि अतिरिक्त अनुदान के रूप में राज्यों को उपलब्ध कराएगी।

गांव-गांव में मनेगा बिजली तिहार

मान. मुख्यमंत्री डॉ. सिंह द्वारा नए 33/11 के.व्ही. उप केंद्र का लोकार्पण

राजनांदगांव एवं कवर्धा जिले में 10 अक्टूबर 17 को आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री डॉ0 रमन सिंह के करकमलो द्वारा भैंसातरा, बाजार चारभांटा, महाराजपुर एवं हरिनछपरा में नवनिर्मित 33/11 के. व्ही. सब-स्टेशनों का लोकार्पण किया गया। सब-ट्रांसमिशन योजना के तहत लगभग 1.50 -1.50 करोड़ की लागत से निर्मित इन सब-स्टेशनों के क्रियाशील हो जाने से संबंधित क्षेत्रों में लो-वोल्टेज व विद्युत संबधी अन्य समस्याओं का निराकरण हो गया है। राजनांदगांव एवं कवर्धा जिले में एसटीएन, आईपीडीएस एवं डीडीयूजीजेवाय योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 40 नये 33/11 के. व्ही. सब-स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री माननीय श्री राजेश मूणत, सांसद माननीय श्री अभिषेक सिंह, संसदीय सचिव श्री मोतीराम चंद्रवंशी, विधायक डोंगरगढ़ श्रीमति सरोजनी बंजारे, विधायक श्री अशोक साहू, 20 सुत्रीय क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष श्री खूबचंद पारख, छ.ग. राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्षा श्रीमति शोभा सोनी, छ.ग. राज्य भण्डार गृह निगम के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा,राज्य पिछडा आयोग के अध्यक्ष श्री सियाराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमति चित्रलेखा वर्मा, केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, एवं अधीक्षण अभियंता द्वय श्री अविनाश सोनेकर, आर.एन. याहके उपस्थित हुए।

कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि नए उपकेंद्रों के क्रियाशील हो जाने से संपूर्ण क्षेत्रों में लो-शेडिंग एवं लो-वोल्टेज की समस्या दूर हो जायेगी। विद्युतीकृत ग्रामों में समुचित वोल्टेज पर बिजली आपूर्ति करने विद्यमान उपकेन्द्रो में स्थापित ट्रांसफार्मरों तथा डिस्ट्रीब्युशन ट्रांसफार्मरों की क्षमता को बढ़ाने का कार्य भी किया जा रहा है, जिससे ओवर लोडिंग वाले क्षेत्रों को उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति हो रही है।

पहुंचविहीन बसाहटों में मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना से पहुंची बिजली

राजनांदगांव जिले में अविद्युतीकृत बसाहटों एवं मजराटोला को चिन्हांकित कर उन्हे शीघ्र विद्युतीकृत करने का कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में राजनांदगाव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि विभागीय संभाग डोंगरगांव के अन्तर्गत छुरिया, अं. चौकी एवं मोहला ब्लॉक के मजराटोलों में बिजली पहुंचाने में कामयाबी मिली। इनके अधीन तुर्रेगढ़, तलवारटोला, आयबांधा, ममा भांचा मोड़, आवासपारा, देवरसूर वार्ड नं. 3,4,5, मंड़ावीपारा, गोटुलमुण्डा(आवासपारा), फांसीटोला, जंगलपारा, पदोटोला, पटाडियाटोला एवं डंडासूर में भौगोलिक दृष्टि से लाईन विस्तार कार्य बेहद ही चुनौतीपुर्ण था। इसका सामना करते हुये लाईन कर्मचारियों के द्वारा बिजली के खंभो को कंधे एवं बैलगाड़ी के बूते पहाड़, नाले एवं सघन वनों के बाधाओं को पार करके इस कार्य को पूर्ण किया गया। कार्यपालन अभियंता श्री एस.कंवर, सहायक अभियंता श्री बीरबल उईके, श्री एस.पी. ठाकुर कनिष्ठ अभियंता श्री बी. कुर्रे, श्री चिरंजीव नायक एवं उनकी टीम ने इस कार्य को साकार किया। उक्त बसाहटों के 51 सामान्य परिवार को विद्युत कनेक्शन की सुविधा प्रदान की गई है।

दोरनापाल में जनसंवाद का आयोजन

सुकमा जिले के दोरनापाल के विश्राम भवन परिसर में आयोजित संवाद शिविर में विशेष सचिव (उर्जा) श्री सिद्धार्थ कोमलसिंह परदेशी, प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने विद्युत व्यवस्था में विस्तार हेतु ग्रामीणजनों से चर्चा की। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यों ने विद्युत एवं सौर उर्जा से अविद्युतीकृत क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने सार्थक चर्चा की।

चर्चा करते हुये विशेष सचिव ने बताया कि सुकमा एवं दोरनापाल में नये उपकेन्द्र का निर्माण किया जा रहा है जिसकी क्रियाशीलता से विद्युत विषयक समस्याओं का निदान हो सकेगा। बिजलीविहीन गांव में शीघ्र बिजली पहुंचाने के निर्देश मुख्यमंत्रीजी से मिले है। इस काम को जल्द से जल्द पूरा करने में ग्रामीणजनों की भागीदारी कारगर होगी। इसी क्रम में वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आनंद ने कहा कि सुदूर वनांचलों में बिजली पहुंचाना अत्यंत चुनौती भरा काम है। जहां तक बिजली का तार खम्भा पहुंचेगा, वहां पारम्परिक तरीके से तथा बाकी जगह सौर उर्जा से घरों को रौशन करेंगे।

संवाद शिविर में सुकमा के कलेक्टर श्री जयप्रकाश मौर्य ने कहा कि आदिवासियों के घरों में बिजली लगने से अनेक समस्याओं का निदान होंगा। सर्पदंस जैसी

घटना में भी कमी आयेंगी। इसी क्रम में एस.पी. श्री अभिषेक मीणा ने कहा कि ग्रामीणजनों के घर बिजली पहुंचेगी तो जीवन स्तर में अवश्य सुधार आयेगा। विद्युतीकरण के कार्य में जागरूकता एवं एकजुटता का प्रदर्शन करते हुये ग्रामीणजन सहयोग करेंगे तो बहुत जल्द हर घर बिजली का सपना साकार होगा।

राजनांदगांव में विद्युत विकास संबंधी समीक्षा बैठक

सतत् विद्युत व्यवस्था बनायें रखने के लिए उन्होने सभी मैदानी अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

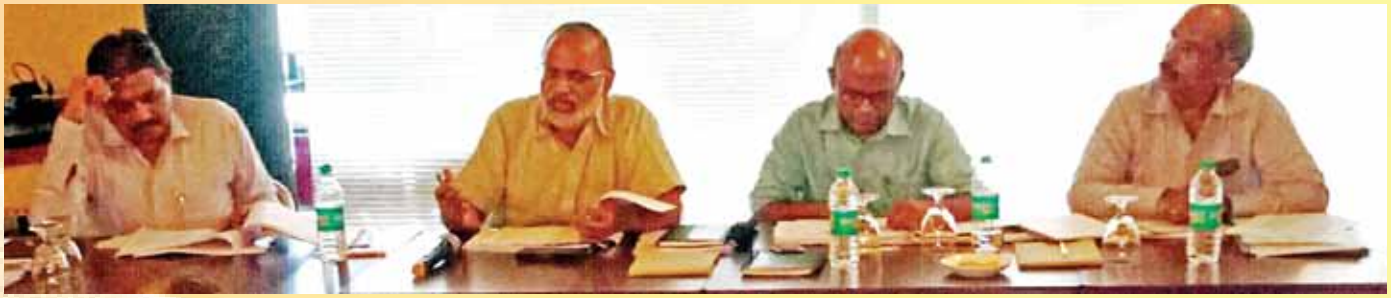

राजनांदगांव क्षेत्र के मैदानी अधिकारियों के साथ विद्युत विकास पर केन्द्रित समीक्षा बैठक डिस्टीब्यूशन कंपनी के डायरेक्टर श्री एच.आर. नरवरे ने ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना ना करना पड़े, इस हेतु विफल ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए त्वरित कार्यवाही हो। साथ ही विद्युत प्रणाली की सतत निगरानी हो एवं तकनीकी गड़बड़ियों के सुधार कार्यों को निश्चित समयावधि में पूर्ण करे।

बैठक में उन्होंने आर-एपीडीआरपी, स्पॉट बीलिंग, मीटर रीडिंग, सिंचाई पंपों के विद्युतीकरण, एसटीएन, एनीकट पंप ऊर्जीकरण, स्कूल विद्युतीकरण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के विद्युतीकरण, ट्रांसफार्मर एवं सबस्टेशन मेंटेनेंस, एचटी एवं एलटी कनेक्शन, नलजल योजना, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना आदि कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होने सिचाई पंप कनेक्शनों के शत प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य जल्द से जल्द पूर्ण करने तथा राजस्व एवं बकाया वसुली के लक्ष्य को अतिशीघ्र हासिल करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव क्षेत्र को शतप्रतिशत विद्युतीकृत करने की तैयारियों के आधार पर प्राकलन बनाया जाए। एसटीएन योजना के अन्तर्गत राजनांदगांव एवं कवर्धा वृत में 33/11 के.व्ही. सबस्टेशनो के निर्मित होने से लो-वोल्टेज एवं लोड-शेडिंग की समस्या दूर हो जायेगी। बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कहा कि राजस्व बकाया वसुली में तेजी लाई जायेगी। साथ ही विफल ट्रांसफार्मरों को बदलने के कार्य त्वरित गति से की जावेंगी। बैठक में वितरण कंपनी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता टी.के. मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री ए. सोनेकर एवं राजनांदगांव वृत के सभी कार्यपालन अभियंता,सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित हुए।

मान. मुख्यमंत्री द्वारा पोटियाकला रोड एवं हथखोज में विद्युत उपकेन्द्र हेतु भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत पोटियाकला एवं इंजीनियरिंग पार्क हथखोज में लगभग सवा तीन करोड़ की लागत से दो नये 33/11 के.व्ही विद्युत उपकेंद्रों(सबस्टेशनों) का निर्माण किया जाएगा। सबस्टेशनों का निर्माण आईपीडीएस(एकीकृत विद्युत विकास योजना) के तहत किया जा रहा है। इसके लिए 10 अक्टूबर 2017 को मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह द्वारा भूमिपूजन किया गया।

आई.पी.डी.एस.योजना के तहत एक करोड़ 64 लाख की लागत से इंजीनियरिंग पार्क हथखोज भिलाई एवं एक करोड़ 60 लाख की लागत से पोटियारोड दुर्ग में नये 05 एम.व्ही.ए., 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण किया जाएगा। नवसृजित इंजीनियरिंग पार्क में सबस्टेशन के क्रियाशील होने से उद्योगों को नए विद्युत कनेक्शन के साथ-साथ भारी औद्योगिक क्षेत्र एवं हथखोज के उपभोक्ताओं को नियमित गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। इसी तरह पोटियारोड दुर्ग में सबस्टेशन बनने से कसारीडीह, कुंदरापारा, सुभाषनगर, डिपरापारा आदि क्षेत्र के लगभग छः हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

डुमरटोला में 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र की आधारशिला

मोहला-मानपुर क्षेत्र में डूमरटोला मे 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र के निर्माण हेतु सहकारिता, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री दयाल दास बघेल एवं सासंद राजनांदगांव श्री अभिषेक सिंह, द्वारा आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर सांसद श्री सिंह ने कहा कि मोहला-मानपुर क्षेत्रों में किए गये विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यो के कारण यह क्षेत्र एक विकसित क्षेत्र के रूप में पहचान बना रहा है। डुमरटोला में बनने वाले उपकेंद्र से आसपास के सैकड़ो गांव लाभान्वित होंगे एवं निर्बाध विद्युत सुविधा उपलब्ध होगी। राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि डुमरटोला 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गणतंत्र दिवस के पूर्व ऊर्जीकृत करने का लक्ष्य है।

इस भूमिपूजन कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री शिवराज सिंह उसारे, जनपद पंचायत अध्यक्ष क्रमशः मोहला, मानपुर, अंबागढ़ चौकी श्री कुलीन कुंवर लाटिया,श्रीमति सुखम बाई, श्री शिवचरण अमरिया जिला पंचायत सदस्य श्रीमति कमलादेवी पिस्दा, सुश्री कंचनमाला भुआर्य एवं हिरेन्द्र साहू, सरपंच श्री खुबलाल भुआर्य तथा स्थानीय जनप्रतिनिधी श्री राजेश श्यामकर, श्री राजेश सिंगी, श्री रमेश हिड़ामे, श्री लखन कलामे, श्री खोरबाहरा राम यादव, श्री तुकाराम सहारे, श्री किशोर जुरेशिया, सुश्री सत्यभामा सलामें, श्रीमति नम्रता सिंह एवं ड़ोंगरगांव विद्युत संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री एस. कंवर ,मोहला उपसंभाग के सहायक अभियंता श्री एस.पी. ठाकुर एवं कनिष्ठ अभियंता श्री चिंरजीव नायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित हुए।

विश्वास की लाली से जीवन की काली रात कट जाती है और सफलता का सूरज चमक उठता है।

ए.सी.एस. श्री कुमार की भावभीनी विदाई
नवागत ऊर्जा सचिव श्री परदेसी का स्वागत

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) श्री बैजेन्द्र कुमार की एन.एम.डी.सी. के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति तथा ऊर्जा सचिव श्री आशीष भट्ट के स्थानांतरण उपरांत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा भावभीनी विदाई एवं नवपदस्थ विशेष सचिव (ऊर्जा) श्री सिद्धार्थ कोमल परदेसी का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन 15 सितम्बर को किया गया। इस अवसर पर पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों के कार्यों का कुशलतापूर्वक निवर्हन कर प्रदेश को आगे बढ़ाने में श्री बैजेन्द्र कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। आपकी कर्त्तव्यनिष्ठा, दृढ़ इच्छाशक्ति, सहदृदयता जैसे गुण अनुकरणीय हैं। इसी क्रम में श्री सिंह ने श्री बैजेन्द्र कुमार, श्री आशीष भट्ट के सुखद भविष्य की कामना करते हुए नवनियुक्त विशेष सचिव श्री सिद्धार्थ परदेसी को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनायें दी।

समारोह में पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद श्रीमती तृप्ति सिन्हा, श्री ओ.सी.कपिला,, डायरेक्टर सर्वश्री जी.सी.मुखर्जी, एच.आर. नरवरे, अजय दुबे ने मंचासीन विशिष्टजनों का स्वागत कर प्रतीकात्मक भेंट प्रदान किया। इस अवसर पर श्री बैजेन्द्र कुमार ने ऊर्जा विभाग में

बिताये अपने कार्यकाल को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने कहा कि जन-जन से जुड़े विद्युत विभाग में कार्य करने के अवसर से सुखद अनुभूति की प्राप्ति हुई। मुख्यमंत्री से सीधे सम्बद्ध इस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के मध्य टीमवर्क की शैली कंपनी को सतत् आगे बढ़ायेगी।

विदाई समारोह में श्री बैजेन्द्र कुमार की कार्यशैली पर विचार व्यक्त करते हुए एम.डी. श्री अंकित आनंद ने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों का त्वरित निदान और विद्युत विकास विषयक कार्यों को धरातल पर क्रियान्वित करने में इनका अतुलनीय योगदान रहा। इसी क्रम में श्री आशीष भट्ट ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समस्या का सटीक समाधान ढूंढने में श्री कुमार को दक्ष बताया। नवनियुक्त विशेष सचिव (ऊर्जा) श्री कोमल परदेसी ने श्री कुमार के दीर्घअनुभव को चुनौति की घड़ियों में सूझबूझ से हल निकालने के लिए प्रेरक निरूपित किया। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने किया।

दुर्ग में राष्ट्रीय एकता की शपथ

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय के प्रांगण में सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता बनाए रखने को संकल्प दिलाया गया। कार्यपालक निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने शपथ दिलाते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देने का संकल्प दोहराया। इस दौरान अधीक्षण अभियंता श्री एच.के.मेश्राम, कार्यपालन अभियंता श्री एस.एस.बघेल, वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री वाय.कोसरिया, कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री संतोष साहू सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एचटीपीपी में विदाई समारोह

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में मुख्य अभियंता श्री बीएन बिश्वास समेत विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एसएम. गोवर्धन, राजेश वर्मा, एसपी चेलकर ने सेवानिवृत्तजनों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट कर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी श्री टीडी मोहरे, कार्यपालन अभियंता अशरफ अली, संयंत्र पर्यवेक्षक श्रेणी दो- ललित कुमार साहू, संयंत्र पर्यवेक्षक श्रेणी तीन- श्री मनबहल यादव ने सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों से मिले सहयोग को अपने सफल कार्यकाल का आधार बताया। कार्यक्रम का संयोजन कल्याण अधिकारी श्री पीके दवे ने किया। कल्याण अधिकारी श्री पीआर खुंटे द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी की सेवा यात्रा पर प्रकाश डाला गया। कर्मचारियों के नियंत्रक अधिकारियों श्री पंकज कोल्हे, श्री अनिल जैन और सुरेश जैन द्वारा उनकी कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

श्री कपिला को जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी कंपनी के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार कंपनी के डायरेक्टर श्री ओ.सी. कपिला को सौंपा गया। इसके अनुपालन में 08 सितम्बर को उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया। विदित हो कि अब तक इस पद पर श्री एस.बी. अग्रवाल सेवारत थे। उनके कार्यकाल की समाप्ति उपरांत राज्य शासन के आदेशानुसार डायरेक्टर श्री कपिला को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार आगामी आदेश तक सौंपा गया। श्री कपिला को मिली जिम्मेदारी के लिए पावर कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उन्हें बधाई सहित सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी।

अगर आप लक्ष्य को भेदना चाहते हैं, तो इसके थोड़ा ऊपर निशाना साधें, ध्यान केंद्रित करें, क्योंकि हर उड़ने वाल तीर गुरुत्वाकर्षण का शिकार होता है।

-लॉन्गफेलो

ईडी श्री ओझा- श्री सिंह सहित 10 कर्मियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज से 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हुए कार्यपालक निदेशक श्री ओ.पी. ओझा एवं श्री अशोक कुमार सिंह सहित पारेषण कंपनी के दस कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी दी गई। विदाई समारोह में ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा एवं जनरेशन कंपनी के प्रभारी प्रबंध निदेशक श्री ओ.सी. कपिला ने प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। इनके साथ ही पॉवर कंपनी के डायरेक्टर सर्वश्री जी.सी. मुखर्जी, एच.आर. नरवरे एवं अजय दुबे एवं ऊर्जा विभाग के संयुक्त सचिव श्री धरम रत्नम ने सेवानिवृत्तजनों के कार्यों को प्रेरक एवं कंपनी के लिए बहुमूल्य ठहराया। उन्होंने सेवानिवृत्तजनों के सुखमय जीवन की कामना की।

सेवानिवृत्त हुए ईडी द्वय सर्वश्री ओझा एवं सिंह सहित पारेषण कंपनी से सेवानिवृत्त हुये सर्वश्री जैलूराम उइके भिलाई एमएस राव, चंद्रशेखर सिंह ठाकुर मालदी लक्ष्मी नरसिंघम, एमडी वैष्णव, अशोक कुमार सिंह,रामसिंह साहू श्रीराम साहू, दिलीप कुमार यादव और कन्हैया लाल निर्मलकर ने अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। आभार प्रदर्शन डीजीएम एचआर श्री आरके तिवारी ने तथा कार्यक्रम का संचालन योगेश नैय्यर ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

बीजापुर के अति संवेदनशील क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने उच्चाधिकारियों का दौरा

छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेसी एवं पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी अंकित आनंद ने बीजापुर के घोर संवेदनशील क्षेत्र उसूर का दौरा कर विद्युत सेवाओं के विस्तार के लिए ग्रामीणों से मुलाकात की। उसूर क्षेत्र में विद्युत विहीन इलाकों में बिजली पहुंचाने के लिए पोलमपल्ली व गलगम के जनप्रतिनिधि व ग्रामीणों से बातचीत कर सहयोग करने की अपील की। चर्चा के दौरान आईजी पी. सुंदरराज, कलेक्टर अयाज तंबोली, एसपी एम. अहिरे, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक सिंह सहित विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बीजापुर के जिला पंचायत सभाकक्ष में पॉवर कंपनी के अधिकारियों के साथ चर्चा कर उच्चाधिकारियों ने 2018 तक हर गांव, हर घर तक बिजली पहंचाने, बीजापुर में बन रहे 132 के.व्ही. सबस्टेशन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस दौरान उच्चाधिकारियों ने पंच-सरपंच, सचिव तथा ग्रामीणजनों से बिजली सेवाओं के विस्तार में आने वाली कठिनाइयों एवं दुर्गम इलाकों में विद्युत पहुंचाने के कार्यों के त्वरित निपटारा हेतु टीमवर्क को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में शिविर का आयोजन कर दीनदयाल ग्रामीण विद्युतीकरण योजना एवं प्रधानमंत्री हर घर सहज बिजली सौभाग्य योजना के अन्तर्गत अविद्युतीकृत घरों, मजराटोलों को विद्युत कनेक्शन दिये जाये।

दुर्ग, बालोद, बेमेतरा में विद्युत विकास के अनेक कार्य संपन्न

दुर्ग विद्युत क्षेत्र के अधीन तीन विभागीय संभागों दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा में पिछले माह विभिन्न योजनाओं के तहत 02 करोड़ 52 लाख 72 हजार की लागत से विभिन्न विद्युतीय विकास कार्यों को पूर्ण किया गया।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने बताया कि पिछले माह एकीकृत विद्युत विकास योजना(आई.पी.डी.एस.) के तहत विभागीय नगर संभाग भिलाई(पूर्व) के 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र हथखोज में एक नग पॉवर ट्रांसफार्मर का 3.15 एम.व्ही.ए. से 05 एम.व्ही.ए. में क्षमता आवर्धन कर ऊर्जीकृत किया गया। उक्त कार्य 33 लाख 34 हजार की लागत से संपन्न किया गया। उन्होंने बताया कि विभागीय संभाग बालोद में सबट्रांसमिशन नार्मल(एस.टी.एन.)योजना के तहत एक करोड़ 86 लाख 27 हजार की लागत से 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र करहीभदर, भोथली (बासिन), झलमला, जेवरतला एवं निपानी में 05 नग अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किए गए। संचारण/संधारण संभाग बेमेतरा के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र खण्डसरा में दीनदयाल

उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना के तहत 28 लाख 11 हजार की लागत से एक नग पॉवर ट्रांसफार्मर का 3.15 एम.व्ही.ए. से 05 एम.व्ही.ए. में क्षमता आवर्धन कर ऊर्जीकृत किया गया। कार्यपालक निदेशक ने कार्यपालन अभियंता (परियोजना), श्री पी.व्ही. सजीव एवं उनकी पूरी टीम की सराहना करते हुए उन्हें इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी। अधीक्षण अभियंता श्री विकास गुप्ता ने कहा कि दुर्ग व बालोद जिलों में शत्-प्रतिशत् विद्युतीकरण का कार्य हो चुका है व बेमेतरा जिले को मार्च 2018 तक पूर्ण विद्युतीकरण करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यपालन अभियंता(परियोजना) श्री पी.व्ही.सजीव ने बताया कि दो करोड़ 52 लाख की लागत के विद्युतीय विकास कार्यों से लगभग 50 गांव के उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी।

दुर्गुणों का दुष्परिणाम

लंकापति रावण युद्ध के उपरान्त मृत अवस्था में युद्ध भूमि में पड़ा हुआ था। उसके मृत शरीर को देखने लक्ष्मणजी गये और लौट कर आने पर उन्होंने बताया कि रावण के शरीर में छलनी की तरह असंख्य छिद्र हो गये है। यह बात सुनकर वहां उपस्थितजनों ने पूछा कि रावण के शरीर में इतने छिद्र कैसे हुये हैं ? इस प्रश्न का उत्तर देते हुये लक्ष्मण ने कहा कि श्रीराम के तीरों की वर्षा से ही ऐसा हुआ होगा। लक्ष्मण के इस बात को सुन कर श्रीराम हंस पड़े और उन्होंने कहा रावण के शरीर को तीरों ने नहीं बल्कि रावण के दुर्गुणों ने छेदा है और वह महा बलशाली योद्धा अपने पापों के दुष्परिणामस्वरूप मरा है। याद रखे न शस्त्र किसी को मारते है और न ही शत्रु, मनुष्य स्वयं अपने दुर्गुणों से जर्जर होता रहता है और पाप का घड़ा भर जाने पर स्वयं ही नष्ट-भ्रष्ट हो जाता है।

'एक दवा निराली, 15 सेकण्ड की ताली' पर व्याख्यान माला

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मुख्यालय, में बेहतर जीवन जीने की कला पर केन्द्रित व्याख्यान माला का आयोजन 05 सितम्बर 17 को किया गया। इसमें आयुष्मानभव न्यास उज्जैन के संस्थापक श्री अरूणऋषि द्वारा स्वास्थ्य मंत्र ''एक दवा निराली 15 सेकण्ड की ताली'' पर रोचक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि इंसान दौलत को पाने के लिए स्वास्थ्य को खो देता है और फिर स्वास्थ्य को पाने के लिए दौलत को खो देता है। दौलत से बड़ी पूंजी व्यक्ति का स्वास्थ्य है,इसे तंदरूस्त बनाये रखने हेतु प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं का अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। व्याख्यान माला में प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा, प्रमुख सुरक्षा सलाहकार श्री एस.के. पासवान, डायरेक्टर द्वय श्री एच.आर. नरवरे, श्री अजय दुबे एवं महाप्रबंधक श्री देवाशीष नंदी ने शाल, श्रीफल एवं प्रतीकात्मक भेंट देकर श्री अरूणऋषि जी का अभिनंदन किया। इस अवसर पर डायरेक्टर श्री दुबे ने व्याख्यानमाला को प्रेरणादायक बताते हुए अनमोल स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए दैनिक दिनचर्या को संयमित और अनुशासित रखने पर बल दिया। कार्यशाला का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने किया।

श्री अरूणऋषि द्वारा सुखमय जिंदगी हेतु प्रदत्त टिप्स

- प्रात:काल उठकर हथेलियों को रगड़ने के उपरांत चेहरे को मलना चाहिये तथा दोनों हाथों की मध्यमा उंगली से ऑखों को सहलाना चाहिये.
- प्रतिदिन ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिये तथा प्रात:काल बिना कुल्ली किये पानी को चबाचबा कर पीना चाहिये.
- पैर के तलवे की घिसाई-सफाई खुरदुरा पत्थर से करना चाहिये. क्योंकि जितना तलवा चमकेगा चेहरे में भी उतनी ही चमक दिखाई देगी।
- प्रतिदिन सुबह-शाम प्रसन्न मुद्रा में ताली बजाना स्वास्थ्य के लिए हितकारी है.
- मच्छर/कीड़े-मकौडे भगाने-मारने वाले केमिकलयुक्त पदार्थों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त हानिकारक है.

सरदा एवं बोरतरा विद्युत उपकेंद्रों के पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि

बेमेतरा जिले में स्थित विभागीय संभाग साजा के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र सरदा एवं बोरतरा में 3.15 एम.व्ही.ए. पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कर 05 एम.व्ही.ए. क्षमता के एक-एक ट्रांसफार्मर लगाए गए है। उपकेंद्र सरदा में यह कार्य 20 लाख 84 हजार रुपए की लागत से एवं विद्युत उपकेंद्र बोरतरा में 28 लाख 11 हजार रुपए की लागत से इस कार्य को संपन्न किया गया। कार्यपालन अभियंता(परियोजना) श्री पी.व्ही. सजीव ने बताया कि यह कार्य एसटीएन योजना एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना के अंतर्गत पूर्ण किया गया है।

इन उपकेंद्रों में पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि से 20 गांवों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। जिनमें विद्युत उपकेंद्र सरदा कें अंतर्गत 11 गांव यथा ग्राम सरदा, भटगांव, बावनलाख, भिलौरी, आण्डु, अतरगढ़ी, बुढ़ाजोन, देवरी, जामगांव, सिंगदेही एवं ग्राम लावातरा तथा विद्युत उपकेंद्र बोरतरा के अंतर्गत 09 ग्राम यथा ग्राम बोरतरा, मुगलाटोला, बीजापुर, केवतरा, सक्ती, पिपरिया, गहीरानवागांव, मुसलगोंदी एवं ग्राम कुटरु शामिल हैं।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर एवं अधीक्षण अभियंता (संचारण/संधारण) दुर्ग श्री विकास गुप्ता ने उक्त कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु कार्यपालन अभियंता (परियोजना), श्री पी.व्ही. सजीव एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

यदि आप स्वस्थ और धनवान हैं तो स्वर्ग का सुख आपके कदमों में है।

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत गृह के अधिकारी-कर्मचारी पुरस्कृत

मड़वा-तेन्दूभाठा ताप विद्युत गृह में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अभियंता श्री पीपी. मोडक ने कहा कि राष्ट्रीय संस्कृति का जागरण और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का बोध होना ही राष्ट्रीय भावना है। राष्ट की उन्नति में तेजी लाने के लिए निजी स्वार्थ एवं सरोकार का त्याग कर राष्ट्र हित की सोच को सर्वोपरि रखना होंगा। शहीदों का जीवन इसका स्पष्ट प्रमाण है।

सहायक अभियंता श्री राजकुमार वर्मा को उत्कृष्ठ कार्यों के लिये मुख्यालय रायपुर में पुरस्कृत किया गया। अधीक्षण अभियंता श्री ए.के. जुल्मे, कार्यपालन अभियंता श्री सुनील विश्वास और श्री अवधकिशोर शर्मा को मुख्यालय स्तर पर सम्मान मिला जिन्हें विद्युत गृह में आयोजित समारोह में प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए। स्थानीय स्तर पर 14 अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर कार्यपालन अभियंता श्री एस. घोष द्वारा स्वामी विवेकानंद के विचार-युवकों के प्रति का व्याख्यान किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री एस.के. शर्मा द्वारा किया गया।

आकृति महिला मंडल के सदस्यों द्वारा पौधारोपण

मड़वा-तेन्दूभाठा ताप विद्युत गृह की आकृति महिला मंडल की सदस्याओं ने बसंतपुर आवासीय कालोनी परिसर में पौधारोपण किया। साथ ही 25 ठेका कामगारों को एप्रान दिया गया। महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा महिला श्रमिकों को सुहाग सामाग्री भेंट की गईं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष श्रीमती अल्का मोडक, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रमीला जैन, सचिव श्रीमती फिरोज समद समेत आकृति महिला मंडल के पदाधिकारी व सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

33/11 के.व्ही. सबस्टेशन नारधा क्रियाशील

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए विद्युत अधोसरंचना का विस्तार सब ट्रांसमिशन नार्मल एसटीएन योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए 33/11 केव्ही सबस्टेशन नारधा (जामुल वितरण केन्द्र) का निर्माण कर क्रियाशील किया गया। नवनिर्मित उपकेन्द्र को क्रियाशील करने में कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर सहित उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। नये सबस्टेशन से 5 एमव्हीए का एक पॉवर ट्रांसफार्मर लगाया गया है। इस नवनिर्मित सबस्टेशन के उर्जित होने से ग्राम नारधा, खेरधा आदि के रहवासियों को विद्युत आपूर्ति मिलेगी। इस सबस्टेशन का निर्माण 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार रूपए की लागत से पूर्ण कराया गया है।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में कार्यशाला

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गुढ़ियारी रायपुर में 20 से 23 सितम्बर 17 तक आयोजित कार्यशाला में ''डिमांड साइड मैनेजमेन्ट एवं एनर्जी एफीसिएंसी'' तथा 'केपेसिटी बिल्डिंग' विषय पर आधारित व्याख्यान का आयोजन (बीईई) आईसीएफ क्रेडा तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर क्रेडा के श्री ज्ञानी जी ने अपने उदबोधन में ऊर्जा संरक्षण पर विशेष जोर दिया तथा कंपनी अधिकारियों को डिमांड साइड मैनेजमेंट पर प्रकाश डाला। त्रिदिवसीय कार्यशाला में बीईई नई दिल्ली के प्रतिनिधि श्री राहुल व वितरण कंपनी के प्रशिक्षक श्री विश्वास द्वारा प्रतिदिन व्याख्यान दिया गया। समापन अवसर पर क्रेडा के मुख्य अभियंता श्री जैन द्वारा सभी कनिष्ठ अभियंताओं को ऊर्जा दूत निरूपित करते हुए डिमांड साइड मैनेजमेंट पर उपभोक्ताओं को प्रचारित करने का आव्हान किया। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के निदेशक श्री हेमराज नरवरे द्वारा सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वितरण केन्द्र स्तर पर 09 वॉट एलईडी बल्ब तथा 100 वॉट सामान्य बल्ब एवं दोनों में इनर्जी मीटर लगाकर खपत का अंतर उपभोक्ताओं को बताया जाए जिससे कि एलईडी बल्ब से होने वाले फायदे को उपभोक्तागण सहजता से समझ सके। आयोजन में क्रेडा के अधिकारी व बीईई ग्रुप के सभी सदस्यों के साथ मुख्य अभियंता (प्रशि.अनु. एवं वि.) श्री आर.बी. त्रिपाठी एवं वितरण कंपनी के अन्य अधिकारी कर्मचारी शामिल थे।

अगर आपको इंद्रधनुष चाहिए, तो बारिश भी झेलनी पड़ेगी।

बालोद जिले में विद्युत व्यवस्था बेहतर बनाने विद्युतीय विकास कार्य

बालोद जिले में स्थित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र परसुली में 3.15 एम.व्ही.ए. पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कर 05 एम.व्ही.ए. क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया गया, जिसकी लागत 28 लाख 11 हजार रुपए है एवं 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र कोचेरा में 3.15 एम.व्ही.ए. का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया गया है, जिसकी लागत 38 लाख 88 हजार रुपए है।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालन अभियंता श्री पी.व्ही.सजीव ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र कोचेरा में एस.टी.एन. योजना से लगाए गए अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर से 22 गांवों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे जिनमें ग्राम कोचेरा, दुपचेरा, बुंदेली, पापरा, बोरी, कुम्हालोरी, नारगी, बिजोरा, रायपुरा, परसाडीह, हेमरडीह, कोसमी, सम्बलपुर, खैरीडीह, सोरली, कापसी, कोटेरा, गंजईडीह, संजारी, अण्डी, धनगांव, एवं ग्राम डुमरडीह शामिल हैं। इसी कड़ी में विद्युत उपकेंद्र परसुली में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना के अंतर्गत हुए पॉवर ट्रांसफार्मर में क्षमता वृद्धि से 13 गांवों के रहवासियों को फायदा होगा जिनमें ग्राम परसुली, देवरी, अछोली, आलीखुटा, गारका, पसौद, फरदफोड़, सुरसुली, बहेराभाठा, नाहन्दा, पीपरखार, आसरा एवं ग्राम कारकाभाट शामिल हैं।

सिविल संभागीय कार्यालय में विदाई समारोह

सिविल संभागीय कार्यालय गुढ़ियारी में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री बसंत कुमार गौतम को सेवानिवृत्ति होने पर दिनांक 29 सितम्बर को भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता श्री दीपक कुमार भालेराव एवं अधीक्षण अभियंता एस.सी. श्रीवास्तव ने उन्हें शाल एवं श्रीफल से सम्मानित किया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता द्वय श्री एस.सी. श्रीवास्तव, श्री एच.पी.नायक सहित कार्यालयीन एवं मैदानी कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यपालन अभियंता श्री दीनदयाल चौधरी ने सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार दुबे कनिष्ठ अभियंता द्वारा किया गया।

जीवन परिचय

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (सतर्कता) के पद पर सेवारत श्री मुकेश नाहर का जन्म 30 जून 1956 को सागर में हुआ। संस्कारवान परिवार में माता स्व0 श्रीमती शांति बाई एवं पिता स्व0 श्री दुलीचंद नाहर के आदर्शों से जीवन में अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको विरासत में मिली। आपने वर्ष 1973 में सागर से हायर सेकण्डरी तथा वर्ष 1978 में जी.एस.आई.टी.एस. इंदौर से बी.ई. (इलेक्ट्रिकल) की उपाधि अर्जित कर अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय दिया।

श्री मुकेश नाहर
कार्यपालक निदेशक
(सतर्कता), रायपुर

सुसंस्कार संग सुशिक्षित बनने की यात्रा पथ पर आगे बढ़ते हुये जे.ई.एम.एस.ई.बी. कोराड़ी थर्मल पावर स्टेशन, कोराड़ी में वर्ष 1978-79 (8 माह) में 400 के.व्ही. एवं पावर प्लांट का अनुभव आपने प्राप्त किया। आगे मई 1979 से सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के रूप में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल गुना से आपने अपनी सेवायात्रा का श्रीगणेश किया। आगे सहायक अभियंता के नियमित पद पर आपने जबलपुर, छिंदवाड़ा, सागर, दमोह एवं इंदौर में अपनी सेवायें दी। संस्था की समृद्धि और सम्पूर्ण समर्पण भाव से जिम्मेदारियों का निवर्हन आपकी कार्यशैली का मूलमंत्र रहा। इसे सार्थक करते हुये आपको कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और आपकी पदस्थापना जबलपुर में हुई। आप संयुक्त निर्देशक (टैरिफ) के पद पर ऑन डेपुटेशन सी.एस.ई.आर.सी. रायपुर में तथा यहीं निर्देशक (टैरिफ एण्ड रेगुलटरी संबंधि कार्य) पर रहे। आगे अधीक्षण अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर आप संचारण-संधारण वृत्त रायपुर, सतर्कता अधिकारी कार्यालय रायपुर में पदस्थ रहे।

सेवायात्रा में आपकी कार्यकुशलता का प्रतिफल यथासमय आपको प्राप्त हुआ और आपकी पदोन्नति अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर की गई एवं आपकी पदस्थापना कार्यपालक निदेशक (सतर्कता) रायपुर में की गई। इस पद पर रहते हुये आपने प्रदेश में विद्युत चोरी एवं दुरूपयोग को रोकने में अपनी विशेष कार्यदक्षता को प्रदर्शित किया। इस पद पर आपने अंबिकापुर में भी अपनी सफलतम सेवायें दीं।

आपकी कर्तव्यनिष्ठा का बेहतर प्रतिफल आगे वर्ष 2016 में अंबिकापुर में पदस्थ रहते हुए आपको मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति के रूप में प्राप्त हुई। सेवा यात्रा में आपकी उत्कृष्टता का मूल्यांकन करते हुये पॉवर कंपनी द्वारा वर्ष 2017 में आपको कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति दी गई। इस पद पर आपको अंबिकापुर क्षेत्र के विद्युत विकास की महती जिम्मेदारी दी गई। आगे आपका स्थानांतर सितम्बर 2017 से कार्यपालक निदेशक (सतर्कता) पर की गई। अपनी सेवायात्रा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए आपको 15 अगस्त 2015 में पॉवर कंपनी द्वारा प्रशस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अनुशासन एवं सत्य के मार्ग को अपनी सफलता का मूलमंत्र मानते हुए आपने सेवायात्रा के दौरान कनाडा, इस्लामाबाद (पाकिस्तान), एम.डी.आई. गुड़गांव एवं एन.आई.ए.एस. बंगलोर, हैदराबाद में आपने विद्युत विषयक कार्यक्रमों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। चेस, हॉकी एवं तकनीकी-इतिहास की किताबें पढ़ने में आपकी विशेष अभिरूचि है।

कोरबा पश्चिम में भोजली उत्सव

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में भोजली उत्सव समिति के तत्वावधान में स्वस्थ जवांरा प्रतियोगिता कराई गई । प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि श्रीमती शुभा गोवर्धन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती अंजली वर्मा समेत डॉ. मंजुला साहू, श्रीमती कुंभकार की गरिमामयी उपस्थिति में महिलाओं व बच्चों द्वारा सुआ गीत, भोजली गीत समेत अन्य छत्तीसगढ़ी लोकगीतों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रतियोगिता में श्रीमती केसी अग्रवाल, श्रीमती एन शर्मा, श्रीमती व्हीपी. तिवारी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। समिति के सचिव श्री दुखूराम साहू, ने बताया कि पिछले 17 वर्षों से आवासीय कालोनी में भोजली उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति से परिचय कराना व जोड़े रखना है।

कार्यक्रम का संचालन श्री पंचम लाल राठौर ने किया। कार्यक्रम मुख्य अभियंता श्री बीएन बिश्वास के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में भोजली उत्सव समिति के सरंक्षक श्री आर वर्मा, संयोजक श्री आर अरविंद, सहसंयोजक श्री एसके सोनी, अध्यक्ष श्रीमती सूर्यकांता कश्यप, कोषाध्यक्ष श्री बसंत जायसवाल, श्री सनत कुमार पैकरा, अरूण दास वैष्णव, श्री रामधन राठौर, श्री अनिल कुमार गुप्ता, श्री केके साहू का सराहनीय योगदान रहा।

चिट्ठी आई है ...

मैं संकल्प पत्रिका का नियमित पाठक हूं। पत्रिका में जहां एक ओर विभागीय आदेश, परिपत्रों की जानकारी होती है, वहीं विभाग के सेवानिवृत कर्मचारियों का विवरण, विभागीय क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं के परिणाम, विभाग द्वारा जनहित में किये गये कार्यों के साथ ही विभागीय कर्मचारी एवं उनके परिवार द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों का ब्यौरा भी रहता है। माह मार्च-अप्रेल 2017 के अंक में कविता ''बेटी'' एवं गीता प्रेस गोरखपुर के संस्थापक स्व. हनुमान प्रसादजी पोतवार का जीवन परिचय तथा माह मई-जून 2017 के अंक में महारानी अहिल्या बाई होल्कर तथा उर्दू के महान लेखक सआदत अली मंटो पर मुद्रित आलेख रोचक एवं पठनीय है। ऐसे आलेखों के लिए ''संकल्प'' पत्रिका को मेरी ओर से बधाई ....

हरीश मगर
सेवानिवृत अनुभाग अधिकारी
बिलासपुर

एचटीपीएस में विदाई समारोह

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से सितंबर माह में आठ अधिकारी/कर्मचारी -श्रीमती पोन्नमा राजन, सर्वश्री सनत कुमार शुक्ला, परमेश्वर प्रसाद तिवारी, गनपत राम राठौर, पहारू राम साहू, बालमुकुंद साहू, घासीराम कुर्रे, थामस एन्थोनी सेवानिवृत हुए। उन्हें पावर कंपनी परिवार की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता श्री बीएन. बिश्वास, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एसएम. गोवर्धन ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया। समारोह में सेवानिवृत्तजनों सहित उनके परिजनों के स्वस्थ व सुखद जीवन की शुभकामनाएं उपस्थितजनों ने दीं। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पीके दवे तथा संचालन कल्याण अधिकारी श्री पीआर खुंटे ने किया।

कोरबा में करमा उत्सव का आयोजन

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के आवासीय कालोनी कैलाश विहार स्थित मंगल भवन में करमा उत्सव का आयोजन करमा उत्सव समिति (सर्वसमाज) द्वारा किया गया। स्कूली बच्चों ने करमा की शानदार प्रस्तुतियां देकर जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता श्री एसके सोनी, असिस्टेंट पीआरओ, श्री बसंत शाहजीत, दूरसंचार विभाग से सेवानिवृत्त कार्यपालन य़ंत्री श्री राज और पार्षद सुनील पटेल, श्रीमती आशा सोनी, श्रीमती रेशमा रात्रे, नागपुर से आए संगीतकार श्री घोडाम सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री आरएस. रात्रे ने किया।

डॉ. संगीता परमानंद को राष्ट्रीय सम्मान

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह के भंडार संभाग में कार्यरत सहायक अभियंता श्री किशोर परमानंद की धर्मपत्नी डॉ. संगीता परमानंद को अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के संयुक्त तत्वाधान में 16-17 सितम्बर 2017 को बिलासपुर में संपन्न 18वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया गया। इस अवसर पर इनकी पुस्तक 'विकलांगता का समाजशास्त्रीय अध्ययन' का विमोचन भी सम्पन्न हुआ। जस्टिस श्री रमेश एस.गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में डॉ. विनय कुमार पाठक(अध्यक्ष, राजभाषा आयोग), सुश्री शशि (राजभाषा परिषद अहमदाबाद), डॉ. श्यामसुंदर दुबे (निदेशक, मुक्तिबोध सृजनपीठ केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर), डॉ. सुरेश माहेश्वरी (अमलनेर), डॉ. डी.पी.अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री विशेष अभ्यागत, सह विभिन्न प्रान्तों के प्रतिष्ठित साहित्यकार उपस्थित थे। बधाई ...

कार्यपालक निदेशक श्री नाडिग सहित 11 कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से कार्यपालक निदेशक श्री एनएमके. नाडिग सहित 11 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर सीनियर क्लब में भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में प्रभारी मुख्य अभियंता श्री एसएम. गोवर्धन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री राजेश वर्मा, डीके सवाणी और एसपी चेलकर ने सेवानिवृत्तजनों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट कर उनके परिजनों के साथ स्वस्थ व सुखद जीवन की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में श्री नाडिग ने कोरबा पश्चिम कालोनी की सांस्कृतिक विविधता की सराहना करते हुये ऐसी गौरवशाली परम्परा को बनाये रखने पर जोर दिया। इसी क्रम में सहायक अभियंता श्री एम. सुरेंद्र पवार एवं सर्वश्री मोतीराम देवांगन, ओमप्रकाश देवांगन, विजय राम राठौर, धरम दास धुर्वे, बद्री प्रसाद चंद्रा, राम स्वरूप, हुलास राम साहू, जोहन लाल चंद्रा, फूलसाय साहू सहित स्वैच्छिक सेवानिवत्त लेते हुए श्रीमती कृष्णारानी सराफ ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पीके दवे द्वारा किया गया। कल्याण अधिकारी श्री पीआर खुंटे ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सेवा यात्रा पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर कोरबा पूर्व से पीजीटीआई के मुख्य अभियंता श्री एसके बंजारा शामिल हुए। कार्यक्रम में डॉ. श्रीमती बासुमति नाडिग, श्रीमती शुभा गोवर्धन व श्रीमती अंजलि वर्मा समेत संकल्प महिला मंडल के पदाधिकारीगण और विभिन्न वृत्तों के अधीक्षण अभियंता उपस्थित थे। सेवानिवृत कर्मचारियों के नियंत्रक अधिकारियों श्री केसी अग्रवाल, श्री आरके साहू, नरेंद्र शर्मा, श्री एलपी मिश्रा, श्री एसके जायसवाल, श्री एमके प्रधान, श्री लक्ष्मण सिंह नेताम, श्री ईश्वर प्रसाद यादव द्वारा उनकी कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

एचटीपीपी में सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में सेवानिवृतजनों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री एनएमके नाडिग ने स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट कर उनके सुखमय जीवन की कामना की। सेवानिवृत हुए सहायक अभियंता श्री जितेंद्र खत्री सहित सर्व श्री भरत लाल, खीकराम कश्यप, अरूण फडतरे, हरिराम कुम्हार, पुरूषोत्तम लाल पांडेय, विश्राम सिंह कंवर, मोती लाल गुप्ता, गेंधर दास, मनहरण लाल साहू, किशुनराम मरकाम, मोमिन खान, सुभाष इक्का, जिव राखन लाल, चंद्रिका प्रसाद कश्यप, बहादुर सिंह नामदेव, ईशाक अली, आनंद राव, श्रीमती एस्तर पाथर एवं श्रीमती फिलिस्ता बाई को श्री नाडिग सहित अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एसएम. गोवर्धन, राजेश वर्मा, डीके सवाणी और रविंद्र पाठक ने शुभकामनाएं दी।

संयंत्र पर्यवेक्षक श्री पुरूषोत्तम लाल पांडेय ने माता-पिता की सेवा को सर्वोपरि बताते हुए गीत के माध्यम से पावर कंपनी का गुणगान किया। वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पीके दवे ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सेवा यात्रा पर प्रकाश डाला।

हसदेव ताप विद्युत गृह में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के संयंत्र परिसर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अभियंता श्री बीएन बिश्वास ने स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि देश के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन हमें ईमानदारी से करना चाहिए। जिम्मेदारियों के प्रति सजगता का ही सुपरिणाम है कि हसदेव ताप विद्युत गृह की नवनिर्मित इकाई क्रमांक 5 ने अप्रैल 2017 में 100.02 प्रतिशत पीएलएफ के साथ 360.087 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर किसी एक माह में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए अधिकारी-कर्मचारी बधाई के पात्र है।

समारोह में कार्यपालन अभियंता श्री अनिल कुमार अग्रवाल, सहायक अभियंता श्री अनिल कुमार जैन, कनिष्ठ अभियंता कुमारी डाली अग्रवाल सम्मानित की गईं। स्थानीय स्तर पर 64 तकनीकी, 4 कार्यालयीन अधिकारी-कर्मचारी और 03 सुरक्षा कर्मचारी सहित 13 ठेका कामगारों को अतिथियों के हाथों प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री राजेश वर्मा, श्री एसपी चेलकर, श्रीमती श्रावणी बिश्वास और श्रीमती अंजलि वर्मा, संकल्प महिला मंडल की सदस्याएं एवं अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पीके. दवे द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन कल्याण अधिकारी श्री पी.आर. खुंटे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यालय सहायक श्री जमुना प्रसाद भारिया, सुरक्षा विभाग, सिविल विभाग, संचार विभाग का सराहनीय योगदान रहा।

एचटीपीएस द्वारा ग्रामीणों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के चिकित्सा विभाग की ओर से डिंडोलभाठा और पंडरीपानी में 30 जुलाई 17 को ग्रामीणों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कराया गया। अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यपालक निदेशक श्री एनएमके नाडिग और डॉ. श्रीमती वासुमति नाडिग भी शामिल हुईं। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक के हाथों हुआ। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री एके वाजपेयी की मौजूदगी में उनकी मेडिकल टीम ने दोनों गांवों के 23 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया। मेडिकल टीम को ग्राम पंचायत के सरपंच व ग्रामवासियों ने भरपूर सहयोग दिया। शिविर में अभियान प्रभारी डॉ. सीपी जायसवाल, उपप्रभारी डॉ. रेणु कौशिक, कार्यालय सहायक श्रेणी एक श्री हरिशंकर पटेल, स्टाफ नर्स पी.

नाईक, लैब टेक्निशियन आरके विश्वकर्मा तैनात रहे। इस दौरान श्री यशपाल डहरिया, धीरेंद्र कुमार, किरण साहू, दुर्गा पटेल, लक्ष्मी यादव, जे अरेय्या आदि ने सराहनीय कार्य किया।

लापरवाह लोग दिन में भी अपने जूते-टाई ढूंढते फिरते हैं, वहीं सुव्यवस्थित लोग अंधेरे में भी सुई पा लेते हैं।

दुर्ग में विद्युत कर्मियों की भावभीनी विदाई

दुर्ग क्षेत्र से माह सितंबर एवं अक्टूबर 17 में सेवानिवृत सर्वश्री द्वारिका प्रसाद, सुख चरण साहू, इकबाल अहमद,घनश्याम कुमार साहू एवं उभय राम साहू तथा श्रीमती सुरजा बाई कोसले, भगवतीराम निर्मलकर, पुन्नीदास पनिका, दशरी बाई साहू, रामेश्वर सिंह एवं शिव कुमार देवांगन को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री भीमसिंह कंवर द्वारा शॉल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र भेंटकर इन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री कंवर ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों की सेवाओं को बहुमूल्य निरुपित कर उनके सपरिवार सुखमय जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर, अधीक्षण अभियंता श्री विकास गुप्ता, श्री एच.के. मेश्राम एवं श्री एस.आर. बांधे ने भी सेवानिवृत्तजनों को उनके भावी जीवन एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सर्वश्री आर.के. शर्मा, एस.एस. बघेल, वाय. कोसरिया सहित समस्त विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा एवं आभार प्रदर्शन श्री बी.एस. राजपूत द्वारा किया गया।

विद्युत कर्मियों ने ली 'स्वच्छता ही सेवा' की शपथ

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय में विद्युत कर्मियों ने ''स्वच्छता ही सेवा'' की शपथ ली। कार्यपालक निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने स्वच्छ, स्वस्थ और नवीन भारत के निर्माण में पूरी निष्ठा के साथ समर्पित होने के लिए शपथ दिलाई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर, कार्यपालन अभियंता द्वय श्री पी.व्ही.सजीव एवं श्री एस.एस.बघेल, वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री वाय कोसरिया, प्रशासनिक अधिकारी श्री संतोष साहू, समस्त अनुभाग अधिकारी, सहायक अभियंता श्रीमती सनीली, निज सहायक श्रीमती रमा भट्ट, सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती माया चन्द्राकर सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

पैसा का सदुपयोग

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टंडन राज्यसभा के सदस्य थे। घटना तभी की है एक बार अपने किसी भत्ते का चेक लेने के बाद वे राज्यसभा के कार्यालय में गये। वहां चेक लेने के उपरान्त उन्होंने अपने समीप खड़े एक सज्जन से फाउन्टेन पेन लेकर चेक को लोकसेवा मंडल के नाम लिख दिया। इस देखते हुये पास खड़े सज्जन ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा - टंडन जी, आपको भत्ते के मुश्किल से 400 रूपये मिले है, उन्हें भी आपने लोक सेवा मंडल को दे डाला।

इस पर सहज भाव से टंडनजी ने फाउन्टेन पेन को वापस करते हुए कहा - देखो भाई, मेरे सात लड़के है और सभी अच्छी तरह कमाते है। मैंने प्रत्येक पर सौ रूपये का कर लगा रखा है। इस तरह मुझे प्रतिमाह सात सौ रूपये मिल जाते है। जिसमें से मुशेकिल से तीन-चार सौ रूपये व्यय होते है, शेष रकम को भी मैं लोक सेवा मंडल को भेज देता हूं। आप ही बताइये, इन पैसों को इससे भला बेहतर सदुपयोग और क्या हो सकता है ?

गुरूर-बारसूर क्षतिग्रस्त लाईन का विषम परिस्थितयों में सुधार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की 220 के.व्ही. भिलाई-गुरूर-बारसूर लाइन सर्किट एक एवं दो में 9 सितम्बर को आकाशीय बिजली गिरने से इन लाईनों के तार/इंसुलेटर एवं जम्पर दो अलग-अलग स्थानों पर टूट गये । जिससे बस्तर क्षेत्र के तीन जिलों की विद्युत व्यवस्था बाधित हुई। इसे बहाल करने हेतु खराब मौसम से जूझते हुये पारेषण कंपनी की टीम ने प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा के निर्देशन में दो घंटे के भीतर त्वरित वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था कर 132 के.व्ही. गुरूर-कांकेर-जगदलपुर लाइन की सप्लाई से सुकमा, दंतेवाड़ा एवं बीजापुर जिले के शहरी क्षेत्रों एवं अति आवश्यक सेवाओं की बिजली आपूर्ति को प्राथमिकता से बहाल किया।

बस्तर क्षेत्र के प्रभावित जिलों में अति आवश्यक सेवाओं के लिए वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था करने के उपरान्त पारेषण कंपनी के ईएचटी सुधार अमले द्वारा रात्रि 10 बजकर 50 मिनट तक खराब मौसम और विषम परिस्थितियों से जूझते हुये भिलाई-बारसूर लाईन-एक की खराबी को दूर किया गया और पूरे बस्तर क्षेत्र की सामान्य विद्युत व्यवस्था को बहाल करने में कामयाबी पाई।

इसी तरह चारामा के पास मरकाटोला के पहाड़ पर स्थित 220 के.व्ही. भिलाई-गुरूर-बारसूर लाईन के सर्किट 2 में आये फाल्ट में सुधार कार्य साथ-साथ युद्धस्तर पर आरंभ किया गया। इसके लिए सुधार अमले को आवश्यक सामग्रियों सहित दुर्गम पहाड़ की चोटी तक पहुंचने हेतु नदी नाले, दलदल जैसे जोखिम भरे रास्ते को पार करते हुए कार्यस्थल तक पहुंचना पड़ा। श्री ए.पी. सिंह, अतिरिक्त मुख्य अभियंता ईएचटी इन्चार्ज मुख्य अभियंता (ईएचटी) के मार्गदर्शन में अधीक्षण अभियंता, श्री पी. सी. पारधी एवं कार्यपालन अभियंता, श्री पी. पी. सिंह तथा सहायक अभियंता श्री डीके साहू के देखरेख में ईएचटी सुधार अमले की मदद से कार्य पूर्ण कराया गया।

उक्त दोनों लाईनों में आकाशीय बिजली गिरने से आई तकनीकी खराबी को लगातार 30 घण्टे तक विषम परिस्थितियों में काम करते हुए पारेषण कंपनी के विभागीय कर्मचारियों द्वारा दूर किया गया। इसके लिए पारेषण कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमति तृप्ति सिन्हा ने सुधार अमले की कार्यदक्षता की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

कोरबा में हिंदी सप्ताह का आयोजन

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में आयोजित हिंदी सप्ताह में मुख्य अभियंता श्री बीएन बिश्वास, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एसपी चेलकर, अधीक्षण अभियंता श्री पीके जैन ने हिंदी कार्यकारिणी समिति की हौसला आफजाई करते हुए कहा कि हिंदी की उपयोगिता बढ़ाने के लिए सदैव कार्य करते रहे। मुख्य अभियंता ने विजयी प्रतियोगियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पुरस्कार वितरित किये। हिंदी सप्ताह के दौरान भाषण प्रतियोगिता 'कौमी एकता' विषय पर रखा गया था जिसमें डॉ. श्रीमती मंजुला साहू ने प्रथम स्थान, कार्यपालन अभियंता श्री डीके राठौर दूसरे स्थान तथा कार्यालय सहायक दीपक रजक तीसरे स्थान पर रहे। वर्ग पहेली में डॉ. श्रीमती मंजुला प्रथम, डॉ. केएन साहू द्वितीय व अब्दुल सलाम तृतीय स्थान पर तथा हिंदी नारा प्रतियोगिता में डॉ. मंजुला, डॉ. केएन साहू तथा डीके राठौर क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे।

प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका विद्युतगृह स्कूल की व्याख्याता श्रीमती कृष्णा सिंह, शिशु मंदिर स्कूल के व्याख्याता श्री रामबलेश्वर राय ने निभाई। श्री एसके तिवारी, अनुभाग अधिकारी ने हिंदी प्रश्नमंच का संचालन किया।

हिंदी सप्ताह की स्पर्धाओं में प्रतिभागी श्री टीडी मोहरे, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी श्री बसंत शाहजीत, सहायक प्रकाशन अधिकारी, कार्यालय सहायक श्रीमती जयंती जेना, श्री मणिकांत शुक्ला, श्री एसके चतुर्वेदी और श्रीमती नजमा खान, भृत्य श्रीमती ज्योति वर्मा, सुरक्षा विंग से श्री राजेश कुमार चौधरी ने गर्मजोशी के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी समिति के सचिव कमलेश सिंह ठाकुर व सदस्य श्री डीएस अग्निहोत्री ने किया। वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पीके दवे और कल्याण अधिकारी श्री पीआर खुंटे ने हिंदी सप्ताह के कार्यक्रमों का संयोजन किया।

बिलासपुर क्षेत्र में विदाई समारोह

बिलासपुर क्षेत्र से माह सितम्बर एवं अक्टूबर 2017 में सेवा निवृत्त हुए कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई। माह सितम्बर में सर्वश्री मथुरा प्रसाद कुर्मी, भरत लाल राठौर, नान्हीराम खेसोराम, नानकी दाउ यादव, रमेष प्रसाद तिवारी, एमानुएल एक्का, महेंद्र कुमार वर्मा तथा माह अक्टूबर में श्रीमती मीलबाई कुर्रे सेवानिवृत्त हुए। कार्यपालक निदेषक श्री कैलाष नारनवरे ने सेवा निवृत्तजनों को पॉवर कंपनी की तरफ से प्रतिकात्मक भेंट, धनादेष प्रदान कर उनके परिवार के स्वस्थ जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मियों ने विद्युत कंपनी से मिले सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। विदाई समारोह में समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मोहन्स रंग महोत्सव में डॉ. नूपुर यादव, बृज माधुरी सम्मान से सम्मानित

कृष्ण जन्मभूमि मथुरा के चित्रकूट धाम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव व प्रतिस्पर्धा '' मोहन्स रंग महोत्सव'' में ओडिसी नृत्य कलाकेन्द्र, भिलाई की 25 छात्राओं ने विभिन्न आयु समूह में उत्कृष्ट सम्मान प्राप्त किए। डॉ. नूपुर यादव को शास्त्रीय नृत्य (ओडिसी) के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बृज माधुरी सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. नूपुर, नृत्य शिरोमणी श्रीमती मधुस्मिता दास की शिष्या है एवं उनके मार्गदर्शन में ओडिसी नृत्य की शिक्षा ग्रहण कर रहीं है, साथ ही वे दंत चिकित्सक भी है। डॉ. नूपुर यादव, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के मुख्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी से संबद्ध कार्यालय में निज सहायक के पद पर कार्यरत श्री डी.आर.यादव एवं श्रीमति लक्ष्मी यादव की सुपुत्री है।

Don't be ashamed of cleaning the toilet after use.
It made Mohan Das Gandhi famous.
Narayan Murty is proud of it.
You are next.
Congratulations !

गांधी जयंती पर सब-स्टेशनों की साफ-सफाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर खैरागढ़,पाण्डादाह एवं छुईखदान सब-स्टेशन की सफाई की गई। 15 सितम्बर से आयोजित महाअभियान ''स्वच्छता ही सेवा'' में विद्युत विभाग द्वारा बढ़ चढकर हिस्सेदारी दी गई। इस अवसर पर सभी विभागीय संभागो यथा राजनांदगांव, डोंगरगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़, कवर्धा एवं पंड़रिया के उपकेंन्द्रो में साफ-सफाई की गई तथा विद्युत उपकरणों के रखरखाव की समुचित व्यवस्था बनाये रखने पर भी जोर दिया गया। स्वच्छ, स्वस्थ और नवीन भारत के निर्माण में पूरी निष्ठा के साथ समर्पित होने के साथ ही समस्त विद्युत कार्यालयों में स्वच्छता बरकरार रखने का संकल्प लिया गया।

तन्जानियॉ की पूर्व राजधानी दार-ऐ-सलाम की यात्रा कथा

मानव समुदाय की जन्मजात अभिरूचि यात्रा है। यात्रा के माध्यम से दुनिया की परंपरा, संस्कृति और प्रकृति को जानने का सहज अवसर प्राप्त होता है। मेरे जीवन में भी मुझे पहली बार विदेश भ्रमण के लिए जाने का अवसर मिला। वह भी अफ्रीकन देश तन्जानियॉं की पूर्व राजधानी शहर दार-ऐ-सलाम की यात्रा का।

अफ्रीका के किसी भी देश की यात्रा के पूर्व पीले ज्वर का वैक्सीनेशन (यलो फिवर वैक्सीनेशन) ऐसे अस्पताल या चिकित्सालय से लेना आवश्यक है जहां से वैक्सीनेशन के पश्चात् यलो फिवर कार्ड जारी होता है। मुझे रायपुर स्थित सरकारी चिकित्सालय एवं एम्स में यलो फिवर वैक्सीनेशन की सुविधा के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। यलो फिवर वैक्सीनेशन पूरे भारत वर्ष में मान्यता प्राप्त एवं सरकारी चिकित्सालयों में प्रत्येक सप्ताह में बुधवार

के दिन ही लगाया जाता है इसके लिए सोमवार एवं मंगलवार तक कार्यालयीन समय में नाम दर्ज कराना आवश्यक है । इस दिवस पर चिकित्सक द्वारा सभी दस्तावेजों के जांच के पश्चात् हमें वैक्सीनेशन दिया गया एवं यह जानकारी भी दी गयी कि यह टीका या वैक्सीनेशन के रूप में 10 वर्ष हेतु मच्छर दानी प्रदान की गयी ।

सन् 1974 तक दारे-ऐ-सलाम शहर तन्जानियॉं देश की राजधानी था पूर्वी अफ्रीकी देशों में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला शहर दार-ऐ-सलाम है डोडोमा शहर को तन्जानियॉं देश की राजधानी बनाया गया इसके बाद भी दार-ऐ-सलाम शहर तन्जानियॉं की कला, फैशन, मीडिया, संगीत, फिल्म, टेलीविजन के साथ ही आर्थिक एवं सरकारी गतिविधियों के केन्द्र में रहा आज भी यहां से विभिन्न देशों के लिए सुगमता पूर्वक हवाई एवं समुद्री यात्रा की जा सकती है, वर्तमान में भी इस शहर का महत्व कम नहीं हुआ है चूंकि यहां से कई टापू नेशनल पार्क आदि स्थानों पर पर्यटन के लिए हवाई एवं समुद्री मार्ग से आवगमन सुगमता से उपलब्ध है। यहां स्वाहीली भाषा बहुतायत से बोली जाती है यहां ज्यादातर व्यापार व्यवसाय गुजराती परिवारों के हाथ में है यहां कि जनसंख्या वर्ष 2012 की जनगणना के आधार पर 4364541 है ।

दार-ऐ-सलाम शहर को दार-ऐ-सलाम प्रांत की राजधानी बनाया गया है इस प्रांत में 5 बड़े बड़े संभाग शामिल है दार-ऐ-सलाम 1393 कि.मी. (538 वर्गमीटर में बसा है) दार-ऐ-सलाम शहर का निर्माण सन् 1855-56 में जांजीबार के सुलतान द्वारा आरंभ किया गया था इसके पश्चात् जर्मन ईस्ट अफ्रीका कंपनी द्वारा उद्योगों को बड़ावा दिया गया यहां रेल का संचालन जाबिया रेल आथरिटी के साथ मिलकर किया जाता है । यहां अमेरिकन डॉलर के साथ साथ तजानियन शिलिंग मुद्रा का चलन है तथा बैंको एटीएम से अन्तराष्ट्रीय डेबिट/क्रेडिट कार्ड के द्वारा तजानियन शिलिंग निकाली जा सकती है । भारत एवं दार-ऐ-सलाम में लगभग 2.30 घण्टे (पीछे) का अन्तर है ।

मुंबई के अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग सुबह 1 बजकर 30 मिनट पर हमारी एयरवेज का काऊंटर खुल गया तथा हमने औपचारिकताएं पूरी ली। लगभग 6 बजकर 5 मिनट में हवाई जहाज में बैठे हमारे बैठने के 10-15 मिनट पश्चात् विमान ने पहले पढ़ाव आदिस-अबाबा के लिए उड़ान भरी आदिस-अबाबा पहुंचने में लगभग 4.30 घण्टा का समय लगा हवाई यात्रा के दौरान हमें शॉल एवं ईयर फोन प्रदान किया गया एवं हर सीट के सामने छोटा स्क्रीन लगा हुआ था जिसमें आप अपने मनपंसद के गाने या फिल्म देख सकते थे सुबह के समय चाय एवं बिस्किट आदि दिये गये जिसके पश्चात् नाश्ता प्रदान किया गया जो काफी अधिक था 4.30 घण्टे के पश्चात् हमारा हवाई जहाज आदिस-अबाबा के समयानुसार लगभग 9 बजे आदिस-अबाबा हवाई अड्डे पर उतरा चूंकि हमारी फ्लाईट लेट हो चुकी थी अतः सारे यात्रियों को उनके गन्तव्य स्थल पहुंचने के लिए निर्धारित बसों में बैठाकर रवाना किया गया। दार-ऐ-सलाम जाने वाले यात्रियों के लिए अंग्रेजी एवं किसवाली भाषा में उद्घोषणा की गयी उस आधार पर हम लगभग 2 मंजिल नीचे उतरकर बोर्डिंग पास दिखाते हुए निर्धारित बस में बैठ गये थोड़ी देर पश्चात् हम लोग दार-ऐ-सलाम सफर के लिए दूसरे हवाई जहाज में बैठ चुके थे लगभग 15 मिनट पश्चात् हवाई जहाज ने दार-ऐ-सलाम के लिए प्रस्थान किया । आदिस-अबाबा से दार-ऐ-सलाम का सफर लगभग 2.30 घण्टे का था। इस दौरान हमें भोजन दिया गया एवं दूर लगे स्क्रीन पर अंग्रेजी मूवी दिखाई गयी इन सबके बीच में हमारी मंजिल कब आ गयी हमें पता ही नहीं चला।

सारे यात्रियों के उतरने के पश्चात् सभी को एक हॉल में इक्टठे होने एवं कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिये गये इस बीच में पुत्री दामाद भी हवाई अड्डे में पहुंच चुके थे। दामाद द्वारा एक परिचित को हमारे आगमन की सूचना देने के कारण हमें वीजा आदि प्राप्त करने में कठिनाई नहीं। उस

परिचित द्वारा हमे निर्धारित काऊंटर पर आवेदन के साथ 50-50 डॉलर की राशि जमा करने का निर्देश दिया गय। आवेदन के साथ ही हमारे पासपोर्ट भी जमा करा लिये गये लगभग 30 मिनट के पश्चात् हमें दार-ऐ-सलाम के वीजा के साथ हमारा पासपोर्ट वापस कर दिया गया। हवाई अड्डे से निवास तक का सफर लगभग 20 मिनट में पूरा हुआ ।

दार-ऐ-सलाम का मौसम खुशनुमा है तथा हिन्द महासागर नजदीक होने से वर्ष भर किसी भी समय बारिश होती है किन्तु समुद्र के कारण यहां आर्द्रता होते हुए भी मौसम गरम रहता है। वहॉ हमारी पुत्री और दामाद द्वारा हमारे साथ जांजीबार के पर्यटन का कार्यक्रम बनाया गया जिसमें समुद्री मार्ग से आने जाने का टिकट जांजीबार में रूकने एवं घूमने आदि की व्यवस्था पैकेज के तौर पर श्री दीपक जोशी जो कि वही के निवासी है को जिम्मेदारी सौंपी गयी । दार-ऐ-सलाम से जांजीबार समुद्री एवं हवाई मार्ग द्वारा पहुंचा जा सकता है हम लोग समुद्री मार्ग से फैरी (छोटा जहाज) जिसमें लगभग 400 लोगों की बैठने की व्यवस्था होती है, सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए जांजीबार के लिए रवाना हुए रवाना होने के पूर्व सुरक्षा जॉच एवं वीजा का कार्य किया जाना आवश्यक है लगभग 2 घण्टे के सफर के पश्चात् हम जांजीबार पोर्ट पर उतरे तथा यहॉ भी सुरक्षा जॉच के पश्चात् पोर्ट के बाहर निकले जहॉ श्री दीपक जोशी वाहन के साथ हमारी प्रतीक्षा कर रहे थे उन्होनें हमें उस होटल में पहुंचाया जहां हमारी रूकने की व्यवस्था थी।

आगे हम उसी वाहन से समुद्री किनारे पर पहुंचे जहां छोटी नाव हमारा इंतजार कर रही थी जिसमें बैठकर हमें एक आईलैण्ड या टापू जाना था यह टापू प्रिज्नर आईलैण्ड के नाम से प्रसिद्ध है यहां अंग्रेजो द्वारा दण्डित कैदियों को रखा जाता था जैसा पूर्व में भारत में अण्डमान निकोबार में कैदी रखे जाते थे इस टापू में कछुऐं, मोर एवं हिरण आदि बहुतायत में पाये जाते है सबसे अधिक संख्या यहां कछुओं की है सबसे उम्रदराज कछुऐ की आयु 158 वर्ष है । कैदियों को रखने के स्थान को एक होटल का रूप दे दिया गया है यहां रूकने, भोजन आदि की व्यवस्था पर्यटकों के लिए की जाती है लगभग दो घण्टे रूकने के पश्चात् हम वापसी यात्रा के लिए निकल पड़े इस बीच हिन्द महासागर में लहरों की ऊंचाई बढ़ती जा रही थी दूर से देखने पर हिन्द महासागर के पानी का रंग अलग-अलग दिखाई देता जो बहुत ही सुहावना होता है। जांजीबार में मुस्लिमों की जनसंख्या अधिक है तथा लगभग 350 सौ हिन्दू परिवार भी यहां निवास करते है यहां का बाजार गलियों में स्थित है तथा हमारे देश में जिस प्रकार से किराना दुकाने जनरल स्टोर्स, फल सब्जी की दुकाने फुटपाथ पर एवं गलियों में लगती है वैसी ही जांजीबार में भी देखने में आई।

हमारी दूसरे दिन की यात्रा आरंभ हुई। हम महासागर के तट पर पहुंचे जहां एक नाव हमारा इंतजार कर रही थी नाव में बैठने के पूर्व हमें सुरक्षा जैकेट प्रदान की गई समुद्र के ऊंची लहरों के बीच हमारा सफर आरंभ हुआ जो लगभग 1.30 घण्टे चला देखने पर हमने पाया कि चारों ओर अथाह जल राशि है तथा ऊंची ऊंची लहरों से हमारी नाव डगमगा रही है हमारे आलावा लगभग 10 और नावें वहां मौजूद थी जो डॉलफिन मछली को देखने के लिए अथाह जल राशि में नजरें जमाऐं हुये थी इसी बीच नाविक द्वारा इशारे से डॉलफिन होने का संकेत दिया गया।

उस ओर दृष्टि डालने पर हमने पाया कि लगभग 6 की संख्या में एक साथ डॉलफिन उछलती हुई अन्जान मंजिल की ओर बढ़ रही है डॉलफिन देखकर कुछ नावों से पुरूष एवं महिलाऐ जो तैराकी की पोषाके पहिने हुए थे समुद्र में कुद पड़े काफी देर तक डॉलफिन और हमारे बीच जोर आजमाईश चलती रही। हमने इसका भरपूर आनन्द लिया। हमने समुद्र के लहरों के साथ आए शंख, कौडी एवं विचित्र आकारों वाले पत्थरों का एकत्रीकरण किया तत्पश्चात् नाश्ता करने के पश्चात् हम स्पाईसी गार्डन मिनी जू आदि स्थानों पर गये ।

जांजीबार स्थित पुराने महल बाजार सुलतान का महल एवं अंग्रेजों द्वारा बनाया गया महल में देखा तत्पश्चात् बाजार से कुछ खरीद दारी करते हुए भोजन किया भोजन के पश्चात् हम बंदरगाह की ओर रवाना हो गये जहां से हमे फेरी द्वारा दार-ऐ -सलाम जाना। लगभग 2.30 घण्टे के सफर के पश्चात् घर वापस पहुंचे हमने दार-ऐ -सलाम शहर घूमा एवं थोडी बहुत खरीददारी भी की ।

दार-ऐ-सलाम के नजदीक में स्थित लेजर प्लाजा बीच में स्वीमिंगपूल एवं समुद्री पानी में नहाने का आनन्द लिया दिनांक 06.09.2017 को सांय 4 बजे हमने आदिस-अबाबा होते हुए मुंबई की यात्रा प्रारंभ की दार-ऐ-सलाम में हमारे सामान की सुरक्षा जांच दो बार की गयी तथा इमीग्रेशन भी किया गया 2.30 घण्टे पश्चात् आदिस-अबाबा में भी कड़ी सुरक्षा जॉच में हमे गुजराना पड़ा 07.09.2017 की सुबह 4.45 बजे अपने देश वापस हुए मुंबई हवाई अड्डे पर इमीग्रेशन आदि की औपचारिकता के पश्चात् हम डोमेस्टिक एयरपोर्ट पहुंच जहां से रायपुर के लिए फ्लाइट थी लगभग 11.15 बजे सुबह रायपुर पहुंच गये ।

श्री कपिल भट्ट
कार्या. अतिरिक्त महाप्रबंधक (मा.सं.)

आबाद रहो उजड़ जाओ

गुरू नानक देव एक बार किसी गांव में पहुंचे। उस गांव के लोग नास्तिक विचारधारा के थे और साधु-संतों को सताते थे। उन्होंने नानक के प्रति भी कटु वचन कहे और उनका तिरस्कार भी किया। पर नानकदेव शान्त ही रहे। एक रात रूकने के पश्चात् दूसरे दिन वे वहां रवाना होने लगे तो लोग उनके पास आये और व्यंग्य लहजे में कहा - जाने से पहले आशीर्वाद तो देते जाइये। इस पर नानक देव मुस्करा दिये और बोले - सदा आबाद रहो।

अपनी यात्रा में आगे बढ़ते हुये गुरू नानक देव एक दूसरे गांव में पहुंचे। वहां के लागों ने उनका उचित सत्कार किया तथा मान-सम्मान के साथ रहने-खाने का भी प्रबंध किया। नानकजी ने उनके समक्ष प्रवचन किया। रात बिताने के बाद सुबह नानकदेव जब अपनी यात्रा के लिए बढ़ने लगे तब वहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनसे आशीर्वाद देने का आग्रह किया। तब नानकदेवजी बोले - उजड़ जाओ।

गुरू नानक देव के साथ चल रहे शिष्यों ने जब यह सुना तो उन्हें समझ में नहीं आया कि नानकजी ने पहले सदा आबाद रहो फिर दूसरे गांव में उजड़ जाओ जैसा विचित्र आशीर्वाद क्यों दिया ? इस उलझन में उलझे एक शिष्य ने पूछा- आपने आदर करने वालों को उजड़ जाने का आशीर्वाद दिया तथा तिरस्कार करने वाले को आबाद रहने का आशीर्वाद दिया। इसका क्या अर्थ है ?

नानकदेव ने हंसते हुए बताया कि सज्जन लोग उजड़ेगे तो वे जहां भी जायेंगे अपनी सज्जनता के कारण वहां उत्तम वातावरण बना लेंगे किन्तु दुर्जन व्यक्ति यदि अपना स्थान छोड़े तो वे जहां भी जायेगे वहीं का वातावरण दूषित बनायेंगे। इसलिए उन्हें सदैव आबाद रहने का आशीर्वाद दिया, ताकि वे एक ही स्थान पर बने रहे, अन्य किसी स्थान का वातावरण न बिगाड़ पाये।

नानक नन्हें बने रहो,
जैसे नन्हीं दूब।
बड़ी घास जल जाएगी,
दूब खूब की खूब।।

ईरा पंत
सहायक प्रबंधक
कार्या. उपमहाप्रबंधक
(मा.स.) पारेषण कंपनी

प्यारा छत्तीसगढ़ हमारा

अपना प्रदेश है अति विशेष,
देश का दुलारा,
सबसे प्यारा सबसे न्यारा, छत्तीसगढ़ हमारा।
काला हीरा इसका
जब झिलमिलाया,
हिंद देश सारा,
रोशनी से नहाया।
प्रदेश जगमगाए,
ज्यों नभ में ध्रुवतारा,
जग में है सबसे न्यारा, छत्तीसगढ़ हमारा।
बस्तर का भोलापन,
हर सूँ बिखरा हुआ,
चित्रकोट, तीरथगढ़ से
तन मन निखरा हुआ,
सुरताल खैरागढ़ से,
गूंजे प्रदेश सारा,
निर्झर बहे निरंतर,
अरपा महानदी की धारा,
मैनपाट में सिमटा हो,
तिब्बत ज्यों सारा,
सबसे अनोखा न्यारा, छत्तीसगढ़ हमारा।
मल्हार, भोरमदेव का,
शिल्प बेमिसाल,
सिरपुर की छटा,
ने कर दिया कमाल,
विकास की डगर,
पर अग्रसर निरंतर,
अतिसहिष्णु, भोला है यह प्रदेश प्यारा।
सबसे प्यारा सबसे न्यारा, छत्तीसगढ़ हमारा।

श्री के.के.पाठक
कार्या.सहा.श्रे.-दो,
कार्या. सलाहकार(विधि)
होल्डिंग कंपनी

हां मुझे भी जीना आ गया

जीवन की धूप छांव,
अंधेरे-उजाले का अर्थ समझ आ गया,
हां मुझे भी जीना आ गया
हार में जीत, दुश्मन में दोस्त,
नजर आने लगे, आंसुओं के स्वाद में,
मुस्कराहट आने लगी,
जीवन में खट्टे-मीठे अहसास होने लगे,
हां मुझे भी जीना आ गया।

मौत जिंदगी का कटु सत्य है,
मौत से पहले मरना, नहीं-नहीं,
जी भर के जियो हर पल, हर क्षण जियो,
बहुत कुछ बाकी रह जाता है,
और खत्म हो जाती है जिंदगी,
जीने का अहसास होने लगा,
हां मुझे भी जीना आ गया।

दर्द असहनीय होने लगे,
कड़वाहट में मिठास आने लगी,
तेरे फूलो से भी प्यार,
तेरे कांटो से भी प्यार,
हां मुझे भी जीना आ गया।

रिश्तो का अर्थ, जीवन का सत्य,
जीवन का रहस्य, स्वाभिमान, अभिमान,
अपना-पराया, ऊंचा-नीचा, छोटे-बड़े,
का भेद समझ आ गया,
हां मुझे भी जीना आ गया।

कबीर कुंआ एक है, पानी भरे अनेक,
बर्तन में ही भेद है, पानी सब में एक,
हां मुझे भी जीना आ गया।

संध्या श्रीवास्तव
अनुभाग अधिकारी
कार्यालय वरिष्ठ लेखा अधिकारी
छ.रा.वि.वि.कं., दुर्ग

नन्हा सा माटी का दिया

इक अमावस की गहरी काली रात में हर भवन घर हो या कच्ची चाल में।
बांटने को रोशनी तम से लड़ता रहा, बिन थके बिन डरे वो जलता रहा।
नेह उर के लिये वो जगता रहा, इक अकेला नन्हा सा माटी का दिया।

जिंदगी रहे जहां रोशनी रहे वहां, जिंदगी का हो न कभी अंधेरे से सामना।
राह में दिखे जो नई नई कठिनाइयां, हताशा में तुम कभी हिम्मत न हारना।
देने को हर अनमने मन को लगन, कांटों के बीच गुलाब सा पलता रहा।
नेह उर में लिये वो कहता रहा, इक अकेला नन्हा सा माटी का दिया।

सुकुमार अंर्तमन की करने जतन, धीरे धीरे मधुर मधुर जलता रहा।
कोमल सपन को देने पवन, दिपशिखा में लहर लहर जलता रहा।
फूलमय राहों में न हो शूलों की चुभन, प्रिय पथ पग पग प्रकाशित किया।
बिखेर मधुमय रातों में सुनहरी किरण, मदिर मध्यम गीत गुनगुना रहा।

नेह उर में लिये चिर रौशन रहा, इक अकेला नन्हा सा माटी का दिया।
संदेश असत पर सत की विजय का, धर्म के आलोक में जीवन बिता रहा।
अनदेखी अनुसुनी कर निज की तपन, मलिन मन में देने को नवसृजन।
रमा रखा है मन में चिंतन मनन, अलगाव दिलों को पिघला बहा रहा।
नेह उर में लिये वो टिमटिमा रहा, इक अकेला नन्हा सा माटी का दिया।

हमारे गौरव

कु. शालू चौधरी

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के एचटीपीएस कोरबा पश्चिम में सुरक्षा अधिकारी के कार्यालय में पदस्थ मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री राजेश चौधरी की सुपुत्री शालू चौधरी को शिक्षा सत्र 2017-2018 के लिए तकनीकी शिक्षा संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, कोरबा की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सुश्री शालू बीई (इलेक्ट्रिकल) सातवें सेमेस्टर की छात्रा है। छत्तीसगढ़ तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई द्वारा उनका मनोनयन मेरिट लिस्ट के आधार पर किया गया है। शालू बचपन से मेधावी रहीं हैं। उन्होंने 10 वीं में 91.6 प्रतिशत और 12 वीं गणित विषय के साथ 84.6 प्रतिशत अंक अर्जित किए थे। इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, कोरबा में वह बीई (इलेक्ट्रिकल) के पहले व दूसरे साल लगातार टाप कर पावर कंपनी का नाम गौरवान्वित किया। ...बधाई

डॉ. भुवन शर्मा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के एचटीपीएस कोरबा पश्चिम में वरिष्ठ लेखाधिकारी (1×500 मे.वा. विस्तार) के कार्यालय में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री जेपी शर्मा के छोटे पुत्र डॉ. भुवन शर्मा ने नीट 2017 सुपर स्पेशियालिटी की परीक्षा में अपने प्रथम प्रयास में ही 96.53 प्रतिशत अंक हासिल कर मुंबई के किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज प्रवेश पाने में सफलता प्राप्त की। डॉ. शर्मा वहां डीएम गैस्ट्रोएंटरोलॉजी की शिक्षा प्राप्त करेंगे। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी या जठरांत्र विज्ञान में उदर संबंधी रोगों के निवारण विधि की शिक्षा दी जाती है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि से परिवार व पावर कंपनी का नाम गौरवान्वित किया। ...बधाई

निधि सिंह

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (बि/क्षे) में कार्यालय सहायक श्रेणी-दो के पद पर कार्यरत् श्री कमलेश पी. सिंह की सुपुत्री निधि सिंह ने केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा संचालित फारेस्ट्री विभाग की परीक्षा मे 2 स्वर्ण पदक के साथ उत्तीर्ण कर प्रदेश एवं पावर कंपनी का नाम गौरवान्वित किया है। ...बधाई

कुर्यात सदा मंगलम

जसलीन कौर संग रमनदीप सिंह

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के एचटीपीएस कोरबा पश्चिम में मुख्य अभियंता (उत्पादन) के कार्यालय में पदस्थ स. जीएस भट्टी (मानचित्रकार) की सुपुत्री सौ. कां. जसलीन कौर का विवाह खड़गपुर (पश्चिम बंगाल) निवासी सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी स. अजीत सिंह के सुपुत्र चि. रमनदीप सिंह के साथ दिनांक 11 अक्टूबर 2017 को सानंद संपन्न हुआ। ...बधाई

विजय पानी है तो विक्ट्री से प्रेरणा लीजिए

वी से विजन (नजरिया)
आई से इंटेलीजेंस (बुद्धिमानी)
सी से करेज (साहस)
टी से टैलेंट (प्रतिभा)
ओ से ओपुर्चुनिटी (अवसर)
आर से रेडी (तत्परता)
वाई से यंग माइंड (उत्साही मन)

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी मर्या. इंगनिया, रायपुर,
फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702,
website : www.cseb.gov.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक. मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है. - मुद्रक

मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स, कंकालीपारा, रायपुर • 98271-76089, 97527-11101

सौभाग्य
प्रधानमंत्री
सहज बिजली हर घर योजना

बिजली पहुंचत हे, घरद्वार मनत हावय बिजली तिहार

बिजली से रौशन होगा हर घर

4,65,000

और घर होंगे बिजली से रौशन

सौभाग्य योजना अंतर्गत आवेदन करने की प्रक्रिया

- ऐसे घर-परिवार जिनके आवास में बिजली नहीं है उन्हें विद्युत कनेक्शन देने के लिए गांव-गांव में सौभाग्य शिविर आयोजित कर आवेदन लिया जावेगा।
- शिविर में आवेदन नि:शुल्क मिलेगा। आवेदन के साथ फोटोयुक्त परिचय पत्र जैसे- वोटर आई.डी. कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि देना होगा।
- शिविर में आवेदन फार्म के साथ फोटोग्राफ्स लेने की व्यवस्था विद्युत मंडल द्वारा की जावेगी। आवेदन फार्म के साथ कोई भी शुल्क देय नहीं होगा।
- आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बिजली कनेक्शन पूर्णत: नि:शुल्क होगा।
- आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को छोड़कर अन्य ग्रामीण परिवारों से कुल रू. 500/- का शुल्क 50 रूपये की 10 समान किश्तों में प्रथम माह के बिजली बिल में जोड़कर लिया जाएगा।
- आवेदकों को विद्युत कनेक्शन अधिकतम तीन दिन में प्रदाय कर विद्युत मीटर की स्थापना की जावेगी।

विद्युत विकास

- छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन की स्थापित क्षमता में हुई 2064.5 मेगावॉट की वृद्धि.
- प्रदेश में उपलब्ध बिजली को सुदुर अंचल तक पहुंचाने 96 अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों सहित 11534 सर्किट किलोमीटर ईएचटी लाईन क्रियाशील.
- 1536827 एकलबत्ती कनेक्शन से घर-घर सहज बिजली का लाभ ले रहे हैं, गरीब परिवार.
- 394319 ऊर्जीकृत कृषि पम्पों से उन्नत-खुशहाल हुए किसान

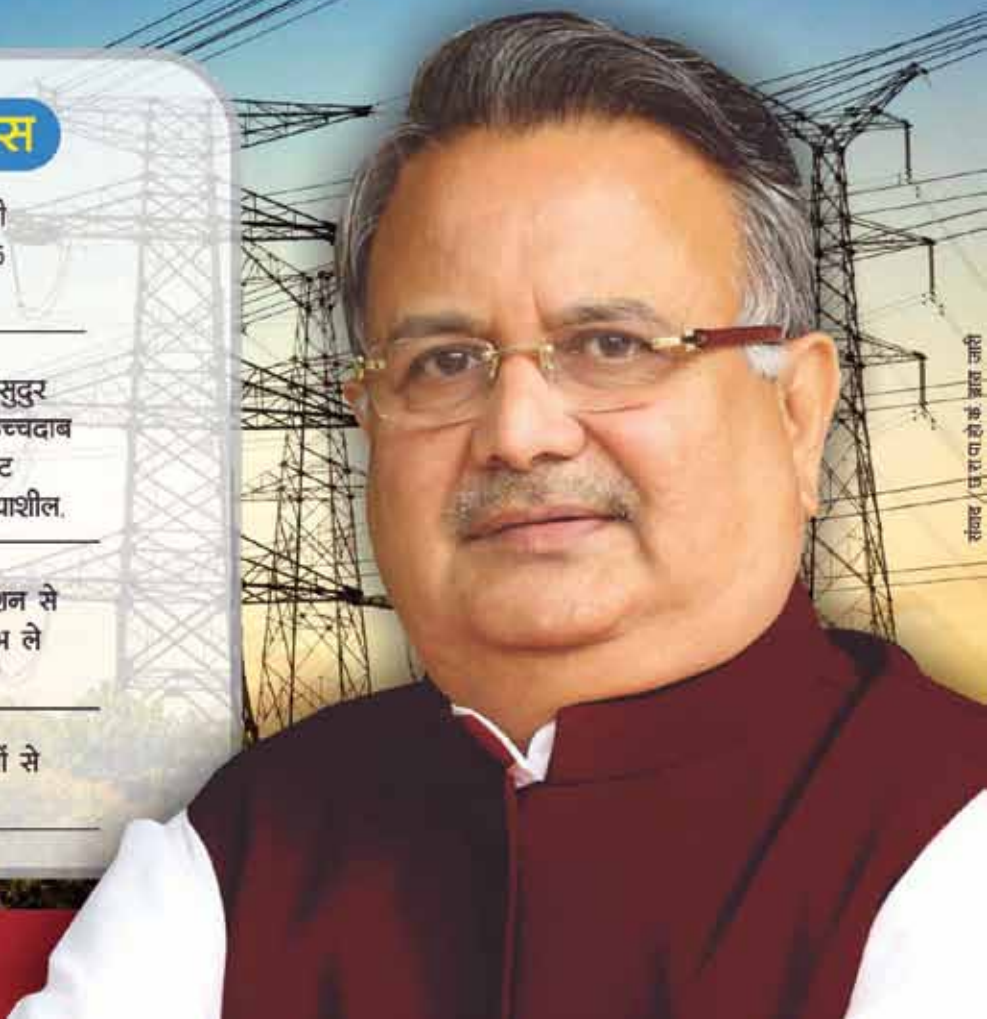

गाँव–गाँव में बिजली पहुंचे, घर–घर हो उजाला